निर्दिष्ट - 1

सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत

सफलता की कहानियाँ

(Success Stories)

सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान हाल के महीनों में काँगड़ा जिला में एक जन आन्दोलन का रूप ले चुका है और विकास खण्ड शुलह स्थित भेड़ू महादेव इसका अपवाद नहीं है। आज समाज का एक बड़ा वर्ग अपने-अपने घरों व आस-पड़ोस को साफ-सुथरा करने में जुट गया है। व्यक्तिगत प्रयास, सामुदायिक सहभागिता तथा प्रभावी नेतृत्व व प्रशासनिक सहयोग टी॰एस॰सी॰ में अपार सफलता के लिए सहायक सिद्ध हुए हैं। कुछ सफलता की कहानियाँ भी लिखी गई हैं जिनको निम्नलिखित घटकों द्वारा सुन्दर ढंग से बताने का एक छोटा सा प्रयास किया गया है।

1. **व्यक्तिगत प्रयास (Individual Efforts) ः**

विकास खण्ड में सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान को कारगर बनाने के लिए कुछ व्यक्तिगत प्रयासों ने एक प्रेरक के रूप में कार्य किया। इन्ही व्यक्तिगत प्रयासों में कुछ एक का संक्षिप्त ब्यौरा नीचे दिया जा रहा है ः-

(क) श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी स्वर्गीय श्री मिलाप चन्द, गाँव व डाकखाना ननाओं, ग्राम पंचायत ननाओं, विकास खण्ड शुलह (बी॰पी॰एल॰ परिवार), के पास शौचालय बनाने के लिए भी भूमि नहीं थी। शौचालय की व्यवस्था घर के आस-पास न होने की वजह से शकुन्तला को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। सम्पूर्ण

स्वच्छता अभियान ने उसे इतना प्रेरित किया कि उसने गौशाला के प्रांगण के नीचे टैंक बनाकर शौचालय निर्माण किया। शकुन्तला अब काफी खुश है व अपने आपको गौरवान्वित महसुस करते हुए कहती है "मेरे लिए जीवन बोझ बन चुका था। जब मुझे शौच जाना होता था तो कोई विरान क्षेत्र देखना पड़ता था। परन्तु सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान के आरम्भ होने के बाद मैंने एक कम लागत वाला शौचालय बना लिया है जिससे मुझे शौच निवृत्त करने में सविधा हो रही है तथा समय की बचत भी हो रही है जिसे मैं रोजी-रोटी कमाने में लगा रही हूँ"।

(ख) श्रीमती सुलोचना देवी पत्नी श्री विधु राम, गाँव व डाकखाना पनापर, ग्राम पंचायत पनापर, विकास खण्ड सुलह, एक बी•पी•एल• परिवार से सम्बन्ध रखती है। वह अकेली व विकलांग है इसलिए उसे शौचालय की ज़रूरत अधिक थी। इस महिला की सफलता की कहानी यही है कि उसने नरेगा के अन्तर्गत कमाये गए धन से शौचालय बनाने वाले सामान जैसे व त्थर, बांस, सीट, सिमेंट इत्यादि की खरीद की तथा कम लागत वाला शौचालय बनाया। देखते ही देखते उ सके आसपास के लोगों ने भी उसका अनुसरण करते हुए अपने शौचालय बनाने शुरू कर दिए। वर्तमान में जिस पंचायत से उक्त महिला सम्बन्ध रखती है वह खुला शौच मुक्त हो चुकी है। सुलोचना का कहना है "विकलांग होने के कारण मुझे शौच जाने में असुविधा हो रही थी। परन्तु अब शौचालय की सुविधा घर के पास ही मिल गई है और समय की भी बचत हो रही है"।

(ग) श्रीमती रामो देवी पत्नी श्री पीर भान, गाँव व डाकखाना पनापर, वार्ड न• 2, ग्राम पंचायत पनापर, विकास खण्ड सुलह, भी गरीब व बी•पी•एल• परिवार से सम्बन्धित है। वह लगभग 70 वर्ष

की है और अकेली रहती है। रामो की सफलता की कहानी यही है कि बिना किसी सहयोग के व लोगों से उधार पैसे लेकर शौचालय का निर्मा ण करवाया जोकि अपने आप में एक मिसाल है। रामो कहती है "मैंने अपने लिए शौचालय निर्माण करवाया है अब मेरा समय बच रहा है साथ में सांपों व जंगली जानवरों से भी रक्षा हो रही है"।

2. **<u>समुदायिक सहभागिता (Community Participation) तथा पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका</u>** ः

विकास खण्ड सुलह स्थित भेडू महादेव में समाज के सभी वर्गों जैसे महिला मण्डलों, युवक मण्डलों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं तथा स्कूल के बच्चों का सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान में अभूतपूर्व सहयोग व योगदान

महिलाएं व बच्चे सम्पूर्ण स्वच्छता को सुनिश्चित कर रहे हैं।

मिल रहा है जो हम सब के लिए एक सफलता की कहानी है। लोगों को कला जत्थों, सी•एल•टी•सी•, रैलियों, बैनरों इत्यादि द्वारा सम्पूर्ण स्वच्छता के बारे में समझाया गया तथा उचित मल-प्रबन्धन के लिए प्रेरित किया गया। पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधि भी जैसे प्रधान, पंचायत समिति/ज़िला परिषद सदस्य, पंच इत्यादि भी सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान में महत्त्वपूर्ण भुमिका निभा रहे हैं।

3. प्रभावी नेतृत्व (Effective Leadership) व प्रशासनिक सहयोग (Administrative Support) :

विकास खण्ड सुलह (भेडू महादेव) में सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान को एक नई गति देने के लिए यहाँ पर तैनात बी•डी•ओ• तथा उनके अधिनस्थ कर्मचारियों की टी•एस•सी• में विशेष रूचि तथा महत्त्वपूर्ण योगदान भी अहम है। विकास खण्ड की सभी 47 पंचायतें खुला शौच मुक्त घोषित कर दी गई हैं। आरम्भ में किसी गैर सरकारी संस्था के सहयोग के बिना 20 पंचायतों को इस अभियान से जोड़ा गया जो अपने आप में एक मिसाल है। इसके पश्चात सहयोगी संस्था (नेहा) के सहयोग से विकास खण्ड की सभी पंचायतों में सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान

ज़ोरों से चलाया जा रहा है और वह दिन दूर नहीं जब हम अपने साध्य लक्ष्य को प्राप्त करेंगे।

4. महिलाओं और कमज़ोर वर्गों को टी॰एस॰सी॰ का विशेष लाभ (Women and weaker sections - the most benefitted lot)ः

सम्पुर्ण स्वच्छता अभियान के आम जनता के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष जो भी लाभ हों परन्तु महिलाओं और कमजोर वर्गों को इसका विशेष लाभ पहँचा है। आज खुले में शौच न जाना विशेषकर महिलाओं के लिए अति लाभकारी सिद्ध हो रहा है। एक तरफ तो उनको घर के पास ही शौचालय की सुविधा प्राप्त हो रही है और कई खतरों से वे बच भी रही हैं। वहीं समय की बचत भी महिलाओं को रोजी, रोटी और कपड़ा जैसी मूलभूत ज़रूरतों को पूरा करने में भी सहायक सिद्ध हो रही है।यह भी एक बड़ी सफलता की कहानी है।

खुला शौच मुक्त हुई 47 पंचायतों को सम्पूर्ण रूप से तथा लगातार स्वच्छ रखने के लिए सम्पूर्ण स्वच्छता के सभी पहलूओं जैसे व्यक्तिगत साफ-सफाई, लोगों को खुले में शौच जाने से रोकना, परम्परागत जल स्त्रोतों की साफ-सफाई व रख-रखाव, ठोस व द्रव्य कचरे का उचित प्रबन्धन तथा पर्यावरण को स्वच्छ रखने जैसे पहलूओं का विशेष रूप से ध्यान रखा जाना चाहिए। इसके लिए वार्ड, पंचायत और खण्ड स्तरीय परम्रागत ढांचे को मजबूत करने की अत्यन्त आवश्यकता है। सुलह विकास खण्ड का लक्ष्य है कि इसकी सभी 47 पंचायतें निर्मल व स्वच्छ पंचायतें बनें।

धन्यवाद

खण्ड विकास अधिकारी,

सुलह स्थित भेडू महादेव।

e-mail : bdosullah@gmail.com,

kgrbdoslh-hp@nic.in